



The ACHIEVERS

IAS ACADEMY
PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...



Friday, July 31, 2026



+91 8434931877



www.achieversiaspatna.co.in



achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- **दानवीर** पहल ने नागरिक भागीदारी के माध्यम से ग्राम पंचायतों के डिजिटल परिवर्तन को गति दी
- भारत बढ़ते समुद्री कार्यबल के साथ **नाविकों के विश्व के दूसरे सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता** के रूप में उभरा
- **अजिंक्य रहाणे** ने 15 साल के करियर के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की
- **दिलीप गावित और मोहम्मद बासिल** ने पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में स्वर्ण-रजत पदक जीतकर इतिहास रचा
- **DBS बैंक विश्व** का सर्वश्रेष्ठ कॉर्पोरेट बैंक पुरस्कार 2026 जीतने वाला पहला दक्षिण पूर्व एशियाई बैंक बना
- **क्रिसकैपिटल** ने फार्मास्युटिकल उपस्थिति का विस्तार करने के लिए नोवार्टिस इंडिया में 70.68% नियंत्रण हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया
- भारतीय मूल के कार्यकारी शैलेश **जेजुरिकर** को प्रॉक्टर एंड गैबल बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया
- एडीबी ने पीएम सूर्य घर **रूफटॉप सौर कार्यक्रम** को बढ़ावा देने के लिए 850 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण को मंजूरी दी
- छत्तीसगढ़ ने नवीकरणीय ऊर्जा उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए **द्विईपीटीआई योजना** शुरू की
- **त्रिपुरा** सरकार ने वित्तीय साक्षरता और उद्यमिता को मजबूत करने के लिए एनएसई के साथ तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

दानवीर पहल का उद्देश्य नागरिक भागीदारी के माध्यम से ग्राम पंचायतों का डिजिटलीकरण करना है



- पंचायती राज मंत्रालय द्वारा शुरू की गई दानवीर पहल, नागरिक भागीदारी और परोपकारी योगदान को प्रोत्साहित करके ग्राम पंचायतों के डिजिटल परिवर्तन में तेजी लाने का प्रयास करती है।
- यह पहल व्यक्तियों, संस्थानों, कॉरपोरेट्स, गैर सरकारी संगठनों और सीएसआर भागीदारों को पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) को डिजिटल बुनियादी ढांचे और तकनीकी संसाधनों को दान करने में सक्षम बनाती है, जिससे जमीनी स्तर पर शासन, डिजिटल समावेशन और ग्रामीण सेवा वितरण मजबूत होता है।
- यह पहल सरकार के डिजिटल इंडिया, विकसित भारत @2047 और डिजिटल रूप से सशक्त पंचायतों के दृष्टिकोण की पूरक है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- इस पहल के तहत, नागरिक और संगठन स्वेच्छा से ग्राम पंचायतों के लिए आवश्यक कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर, स्कैनर, स्मार्ट टेलीविजन, प्रोजेक्टर, इंटरनेट कनेक्टिविटी डिवाइस और अन्य आईसीटी उपकरण जैसे डिजिटल संसाधनों का योगदान कर सकते हैं। ये संसाधन पंचायतों को डिजिटल शासन में सुधार करने, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड बनाए रखने और ग्रामीण नागरिकों को अधिक कुशलता से सेवाएं प्रदान करने में मदद करेंगे।

डिजिटल ग्राम पंचायतों का महत्व:

- डिजिटल रूप से सक्षम ग्राम पंचायतें ऑनलाइन योजना, बजट, लेखा, परिसंपत्ति प्रबंधन, डिजिटल भुगतान और पारदर्शी रिकॉर्ड रखने की सुविधा प्रदान करती हैं। वे सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में सुधार करते हैं, निर्णय लेने में सार्वजनिक भागीदारी बढ़ाते हैं और नागरिक सेवाओं का तेज, अधिक कुशल वितरण सुनिश्चित करते हैं। डिजिटल गवर्नेंस जवाबदेही को भी मजबूत करता है और समावेशी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देता है।

संबंधित डिजिटल गवर्नेंस पहल:

- दानवीर पहल पंचायती राज मंत्रालय के कई डिजिटल गवर्नेंस कार्यक्रमों का पूरक है। eGramSwaraj योजना, बजट, लेखांकन और परिसंपत्ति प्रबंधन के लिए एक एकीकृत मंच प्रदान करता है और ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन के लिए सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (PFMS) से जुड़ा हुआ है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित मेरी पंचायत ऐप नागरिकों को पंचायत

गतिविधियों और विकास कार्यों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। सहाबा सार, एक एआई-संचालित एप्लिकेशन, स्वचालित रूप से कई भारतीय भाषाओं में ग्राम सभा की कार्यवाही को रिकॉर्ड और सारांशित करता है, जिससे पंचायत की बैठकें अधिक पारदर्शी और कुशल हो जाती हैं।

संवैधानिक और कानूनी ढांचा:

- पंचायती राज प्रणाली को 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 से संवैधानिक दर्जा प्राप्त है। अनुच्छेद 243 जी पंचायतों को स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं के रूप में कार्य करने का अधिकार देता है और उन्हें आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय के लिए योजना तैयार करने के लिए अधिकृत करता है। त्रिस्तरीय पंचायती राज संरचना में ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं।

संबंधित सरकारी योजना:

- राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (RGSA) एक केंद्र प्रायोजित योजना है जो प्रशिक्षण, डिजिटल शासन, बुनियादी ढांचे के विकास और संस्थागत सुधारों के माध्यम से पंचायती राज संस्थानों की क्षमता को मजबूत करने पर केंद्रित है। दानवीर पहल जमीनी स्तर पर डिजिटल बुनियादी ढांचे की उपलब्धता में सुधार करके आरजीएसए का पूरक है।

अतिरिक्त तथ्य:

- पंचायती राज मंत्रालय की स्थापना 2004 में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण और स्थानीय स्वशासन को मजबूत करने के लिए की गई थी। ग्राम सभा, जिसमें एक गांव के सभी पंजीकृत मतदाता शामिल हैं, सहभागी लोकतंत्र की नींव है और ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) को मंजूरी देने में केंद्रीय भूमिका निभाती है। जीपीडीपी को स्थानीय विकास प्राथमिकताओं की पहचान करने के लिए प्रतिवर्ष तैयार किया जाता है और इसे ई-ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपलोड किया जाता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• पहल: दानवीर।
• नोडल मंत्रालय: पंचायती राज मंत्रालय।
• उद्देश्य: नागरिक भागीदारी के माध्यम से ग्राम पंचायतों का डिजिटलीकरण।
• रिलेटेड प्लेटफॉर्म: ईग्रामस्वराज, मेरी पंचायत, सभासारा।
• संबंधित योजना: राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए)।
• संवैधानिक आधार: 73वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1992
• प्रमुख संवैधानिक प्रावधान: अनुच्छेद 243G।

भारत नाविकों का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना



- बिमको-आईसीएस सीफेयरर वर्कफोर्स रिपोर्ट 2026 के अनुसार, भारत नाविकों के दुनिया के दूसरे सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है, जो 311,936 समुद्री पेशेवरों या वैश्विक समुद्री कार्यबल का 12.16% का योगदान देता है। भारत अब चीन, रूस और इंडोनेशिया जैसे देशों को पीछे छोड़ते हुए फिलीपींस के बाद दूसरे स्थान पर है।
- यह उपलब्धि भारत की बढ़ती समुद्री ताकत, समुद्री शिक्षा और प्रशिक्षण के विस्तार और देश के समुद्री क्षेत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से सरकारी पहलों की सफलता को दर्शाती है।

एक नाविक क्या है?

- एक नाविक एक पेशेवर रूप से प्रशिक्षित व्यक्ति होता है जो एक व्यापारी जहाज, मालवाहक जहाज, टैंकर, यात्री जहाज, अपतटीय पोत या क्रूज जहाज पर कार्यरत होता है।

प्रमुख श्रेणियाँ:

- डेक अधिकारी।
- समुद्री इंजीनियर।
- रेटिंग (चालक दल के सदस्य)।
- इलेक्ट्रो-टेक्निकल ऑफिसर (ईटीओ)।
- खानपान और आतिथ्य कर्मचारी।

- नाविक वैश्विक व्यापार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि मात्रा के हिसाब से विश्व व्यापार का लगभग 90 प्रतिशत समुद्री शिपिंग के माध्यम से ले जाया जाता है।

BIMCO-ICS नाविक कार्यबल रिपोर्ट:

- BIMCO-ICS सीफेयरर वर्कफोर्स रिपोर्ट समुद्री कार्यबल के सबसे आधिकारिक वैश्विक आकलनों में से एक है।

द्वारा प्रकाशित

- बिमको (बाल्टिक और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री परिषद)।

- इंटरनेशनल चैंबर ऑफ शिपिंग (आईसीएस)।
- रिपोर्ट नाविकों की वैश्विक मांग और आपूर्ति का अनुमान लगाती है और शिपिंग उद्योग में कार्यबल की कमी, प्रशिक्षण आवश्यकताओं और भविष्य के रुझानों की पहचान करती है।

समुद्री कार्यबल को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल:

मैरीटाइम इंडिया विजन (MIV) 2030:

- मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 समुद्री क्षेत्र में बदलाव के लिए भारत सरकार का रोडमैप है।

प्रमुख उद्देश्य:

- 2030 तक वैश्विक समुद्री कार्यबल में भारत की हिस्सेदारी को 20% तक बढ़ाना।
- समुद्री शिक्षा और कौशल विकास का विस्तार करना।
- समुद्री क्षेत्र में लैंगिक विविधता को बढ़ावा देना।
- बंदरगाह के बुनियादी ढांचे और शिपिंग सेवाओं को मजबूत करना।
- भारत को वैश्विक समुद्री केंद्र के रूप में विकसित करना।

समुद्री क्षेत्र में महिलाएँ:

- भारत में महिला नाविकों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

- वर्तमान में भारतीय नाविकों में महिलाएं 0.5 प्रतिशत से भी कम हैं।
- 339 के बाद से उनकी संख्या में 2021% की वृद्धि हुई है।
- मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 का लक्ष्य 2030 तक महिलाओं की भागीदारी को 2-3% तक बढ़ाना है।

समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (डीजीएमए):

- समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (डीजीएमए) पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत भारत का समुद्री नियामक है।

कार्य:

- व्यापारी शिपिंग का विनियमन।
- नाविकों का प्रमाणन और कल्याण।
- समुद्री सुरक्षा और सुरक्षा।
- अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सम्मेलनों का कार्यान्वयन।
- भर्ती और प्लेसमेंट सेवाओं का विनियमन।

मर्चेंट शिपिंग अधिनियम, 2025:

- मर्चेंट शिपिंग अधिनियम, 2025, जो 15 मार्च 2026 को लागू हुआ, भारत के समुद्री कानूनी ढांचे का आधुनिकीकरण करता है।

प्रमुख प्रावधान:

- नाविकों की सुरक्षा और कल्याण को मजबूत करता है।
- परित्यक्त नाविकों की रक्षा करता है।
- भर्ती और प्लेसमेंट एजेंसियों को नियंत्रित करता है।
- भारत के समुद्री कानूनों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाता है।
- भारतीय समुद्री पेशेवरों के लिए कानूनी सुरक्षा उपायों को बढ़ाता है।

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) के बारे में:

- स्थापना: 1948 (1958 में लागू हुआ)
- मुख्यालय: लंदन, यूनाइटेड किंगडम
- महासचिव: आर्सेनियो डोमिंगुएज़

कार्य:

- समुद्री सुरक्षा।
- समुद्री प्रदूषण की रोकथाम।
- समुद्री सुरक्षा।
- अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए मानक-सेटिंग।

भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (IMU) के बारे में:

- स्थापित : 2008
- मुख्यालय: चेन्नई

- आईएमयू समुद्री शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए भारत का प्रमुख संस्थान है।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय:

- केंद्रीय मंत्री: सर्बानंद सोनोवाला।
- बंदरगाहों, शिपिंग, अंतर्देशीय जलमार्ग और समुद्री नीति के लिए जिम्मेदार।

सागरमाला कार्यक्रम:

- 2015 में लॉन्च किया गया।
- बंदरगाह के नेतृत्व वाले विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।
- तटीय नौवहन, रसद दक्षता और समुद्री बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- उपलब्धि: भारत नाविकों का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है।
- वैश्विक हिस्सेदारी: 12.16%।
- नाविकों की संख्या: 311,936।
- शीर्ष आपूर्तिकर्ता: फिलीपींस।
- रिपोर्ट: BIMCO-ICS सीफेयरर वर्कफोर्स रिपोर्ट 2026।
- MIV 2030 के तहत लक्ष्य: 20% वैश्विक कार्यबल हिस्सेदारी।
- नियामक: समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (डीजीएमए)।
- संबंधित कानून: मर्चेंट शिपिंग अधिनियम, 2025।
- संबंधित कार्यक्रम: सागरमाला।
- नोडल मंत्रालय: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय।

अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की



- अनुभवी भारतीय क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है, जिससे 15 साल से अधिक के प्रतिष्ठित करियर का अंत हो गया है।
- अपने शांत स्वभाव, भरोसेमंद बल्लेबाजी और विदेशी टेस्ट मैचों में असाधारण प्रदर्शन के लिए जाने जाने वाले, रहाणे ने खेल के तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया।
- एडिलेड टेस्ट हार के बाद कप्तानी संभालने के बाद ऑस्ट्रेलिया (2020-21) में भारत को ऐतिहासिक 2-1 से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत दिलाने के लिए उन्हें सबसे ज्यादा याद किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय कैरियर:

- अजिंक्य रहाणे ने खुद को भारत के सबसे भरोसेमंद टेस्ट बल्लेबाजों में से एक के रूप में स्थापित किया, खासकर विदेशी परिस्थितियों में। उनकी तकनीकी सुदृढ़ता और संयम ने उन्हें भारतीय टेस्ट क्रिकेट के सफल चरण के दौरान भारत के मध्य क्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना दिया।

कैरियर सांख्यिकी

प्रारूप	मैच	रन	सदियों
टेस्ट	85	5,077	12
वनडे	90	2,962	3
टी20ई	20	375	0

- रहाणे ने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में शतक बनाए, जिससे भारत के बेहतरीन विदेशी बल्लेबाजों में से एक होने की प्रतिष्ठा अर्जित की।

नेतृत्व रिकॉर्ड

- रहाणे ने छह टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की।

अभिलेख

मैच: 6
जीते: 4
खींचा: 2
खोया: 0

- उन्होंने भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में एक नाबाद रिकॉर्ड के साथ संन्यास लिया।

प्रमुख उपलब्धियां

- भारत को 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत दिलाई।

दिलीप गावित ने जीता गोल्ड मोहम्मद बेसिल मोसिंगानाकथ ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों की 100 मीटर T47 में रजत

पदक हासिल किया

- भारतीय पैरा एथलीट दिलीप महादु गावित और मोहम्मद बेसिल मोसिंगानाकथ ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा में स्वर्ण-रजत पदक हासिल करके इतिहास रच दिया। दिलीप गावित ने 10.71 सेकंड के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मोहम्मद बासिल ने 10.83 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता।

- आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल (2021 और 2023) के लिए भारत के क्वालीफिकेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- भारत के सबसे सफल विदेशी टेस्ट बल्लेबाजों में से एक।
- 5,000 से अधिक टेस्ट रन बनाए, यह उपलब्धि हासिल करने वाले 13वें भारतीय बल्लेबाज बन गए।
- उनके नेतृत्व, लचीलेपन और खेल भावना के लिए पहचाने जाते हैं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बारे में:

- बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाने वाली द्विपक्षीय टेस्ट क्रिकेट श्रृंखला है।
- पहली बार खेला गया: 1996
- नाम के नाम: एलन बॉर्डर (ऑस्ट्रेलिया) और सुनील गावस्कर (भारत)
- प्रारूप: टेस्ट क्रिकेट
- ट्रॉफी: द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज

परीक्षा फोकस बिंदु:

- प्लेयर: अजिंक्य रहाणे।
- सेवानिवृत्ति: अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट (2026)।
- टेस्ट करियर: 85 टेस्ट, 5,077 रन, 12 शतक।
- वनडे करियर: 90 मैच, 2,962 रन
- ऐतिहासिक उपलब्धि: भारत को 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत दिलाई।
- कप्तानी रिकॉर्ड: 6 टेस्ट, 4 जीत, 2 ड्रॉ, नाबाद।
- शासी निकाय (भारत): बीसीसीआई।
- वैश्विक शासी निकाय: आईसीसी।
- प्रमुख टेस्ट सीरीज: बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी।

- ऐतिहासिक वन-टू फिनिश ने अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स में भारत की बढ़ती ताकत को उजागर किया और देश के पैरा एथलेटिक्स अभियान का शानदार समापन किया।

T47 श्रेणी क्या है?

- टी47 वर्गीकरण विश्व पैरा एथलेटिक्स में एकतरफा ऊपरी अंग की हानि वाले एथलीटों के लिए एक श्रेणी है, जैसे कि एक हाथ का आंशिक या पूर्ण नुकसान या एक ऊपरी अंग को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण हानि।

वर्गीकरण प्रणाली:

- टी = ट्रैक इवेंट।
- एफ = फील्ड इवेंट।
- संख्या (उदाहरण के लिए, 47) एथलीट की हानि की प्रकृति और सीमा को इंगित करती है।



- वर्गीकरण प्रणाली समान कार्यात्मक क्षमताओं वाले एथलीटों के बीच निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करती है।

अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति:

डीबीएस 'विश्व का सर्वश्रेष्ठ कॉर्पोरेट बैंक' पुरस्कार जीतने वाला पहला दक्षिण पूर्व एशियाई बैंक बना



- सिंगापुर स्थित DBS बैंक (डेवलपमेंट बैंक ऑफ सिंगापुर) को ग्लोबल फाइनेंस 2026 ग्लोबल बैंक अवार्ड्स में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ कॉर्पोरेट बैंक नामित किया गया है, जो 2005 में पुरस्कार श्रेणी शुरू होने के बाद से सम्मान प्राप्त करने वाला पहला दक्षिण पूर्व एशियाई बैंक बन गया है। यह मान्यता कॉर्पोरेट बैंकिंग, डिजिटल नवाचार और वित्तीय प्रौद्योगिकी में डीबीएस के नेतृत्व को उजागर करती है।

पृष्ठभूमि:

- ग्लोबल फाइनेंस ने 2005 में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कॉर्पोरेट बैंक श्रेणी की शुरुआत की।

- राष्ट्रपति: ब्राजील एंड्रयू पार्सन्स
- गठन: 22 सितंबर 1989
- मुख्यालय: बॉन, जर्मनी

परीक्षा फोकस बिंदु:

- आयोजन: राष्ट्रमंडल खेल 2026।
- स्थान: ग्लासगो, स्कॉटलैंड।
- गोल्ड: दिलीप महादू गावित।
- रजत: मोहम्मद बेसिल मोसिंगनाकथा।
- घटना: पुरुषों की 100 मीटर टी47।
- खेल रिकॉर्ड: दिलीप गावित द्वारा 10.71 सेकंड।
- वर्गीकरण: T47 (एकतरफा ऊपरी अंग हानि वाले एथलीटों के लिए ट्रैक इवेंट)।
- शासी निकाय: अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी)।
- राष्ट्रीय निकाय: भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई)।

- डीबीएस एआई, ब्लॉकचेन और डिजिटल बैंकिंग बुनियादी ढांचे में निरंतर निवेश के माध्यम से एक अग्रणी डिजिटल बैंक के रूप में उभरा है।
- बैंक छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) से लेकर बहुराष्ट्रीय निगमों तक ग्राहकों की एक विस्तृत शृंखला को सेवा प्रदान करता है।
- डीबीएस का मानना है कि एशिया में अवसर बुनियादी ढांचे के विकास, बदलती आपूर्ति शृंखलाओं, डिजिटल भुगतान और डिजिटल परिसंपत्तियों से प्रेरित हो रहे हैं।

अन्य पुरस्कार जीते:

- एशिया का सर्वश्रेष्ठ बैंक
- सिंगापुर का सर्वश्रेष्ठ बैंक

चयन मानदंड:

- वित्तीय प्रदर्शन।
- प्रतिष्ठा।
- प्रबंधन उत्कृष्टता।
- कॉर्पोरेट वित्त अधिकारियों, विश्लेषकों और बैंकरों द्वारा मूल्यांकन।

प्रौद्योगिकी हाइलाइट्स:

- ब्लॉकचेन-संचालित प्रोग्रामेबल भुगतान।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित बैंकिंग समाधान।
- उन्नत तरलता प्रबंधन और लेनदेन सेवाएं।

कॉर्पोरेट बैंकिंग सेवाएँ:

- सलाहकार सेवाएं।
- कॉर्पोरेट वित्तपोषण।
- व्यापार वित्त।
- नकदी प्रबंधन।
- हेजिंग समाधान।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- बैंक: डीबीएस बैंक (डेवलपमेंट बैंक ऑफ सिंगापुर)।
- मुख्यालय: सिंगापुर।
- स्थापित: 1968।
- संचालन: 19 बाजारों में मौजूद।

प्राथमिक फोकस क्षेत्र:

- ग्रेटर चीन
- दक्षिण पूर्व एशिया
- दक्षिण एशिया
- संस्थागत बैंकिंग के समूह प्रमुख: हान क्वे जुआन।
- पुरस्कार पत्रिका: ग्लोबल फाइनेंसा।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- पुरस्कार: विश्व का सर्वश्रेष्ठ कॉर्पोरेट बैंक 2026।
- पुरस्कार देने वाला संगठन: वैश्विक वित्त।
- विजेता: डीबीएस बैंक।
- ऐतिहासिक उपलब्धि: पुरस्कार जीतने वाला पहला दक्षिण पूर्व एशियाई बैंक।
- मुख्यालय: सिंगापुर।
- प्रयुक्त प्रौद्योगिकी: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ब्लॉकचेन-संचालित प्रोग्रामेबल भुगतान।
- संचालन: 19 अंतरराष्ट्रीय बाजार।

क्रिसकैपिटल ने नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड में नियंत्रण हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा किया; विकास गुप्ता को एमडी और सीईओ नियुक्त किया गया।



- निजी इक्विटी फर्म क्रिसकैपिटल ने नोवार्टिस एजी से नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड (एनआईएल) में नियंत्रण हिस्सेदारी हासिल की है।
- स्वामित्व परिवर्तन के हिस्से के रूप में, नोवार्टिस इंडिया ने डॉ. विकास गुप्ता को अपना प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। कंपनी ने रमेश रामदुरई को बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने की भी घोषणा की, जबकि सुचिता शर्मा और शशांक सिन्हा स्वतंत्र निदेशक के रूप में शामिल हो गए हैं।

मुख्य विचार:

- अधिग्रहणकर्ता: क्रिसकैपिटल।
- लक्ष्य कंपनी: नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड (शून्य)।
- अधिग्रहित हिस्सेदारी: 70.68%।
- विक्रेता: नोवार्टिस एजी (स्विट्जरलैंड)।
- महत्व: भारत के फार्मास्युटिकल क्षेत्र में क्रिसकैपिटल का पहला बहुमत-नियंत्रित निवेश।

वस्तुनिष्ठ:

- एक अग्रणी ब्रांडेड जेनरिक प्लेटफॉर्म बनाएं।
- भारतीय फार्मास्युटिकल बाजार में उपस्थिति का विस्तार करें।
- कंपनी के हेल्थकेयर पोर्टफोलियो को मजबूत करें।

नेतृत्व परिवर्तन:

- प्रबंध निदेशक और सीईओ: डॉ. विकास गुप्ता।

- अध्यक्ष: रमेश रामदुराई। - स्वतंत्र निदेशक: सुचिता शर्मा और शशांक सिन्हा।

भविष्य की योजना:

- नोवार्टिस एजी से अलग होने के बाद एक नई कंपनी का नाम और कॉर्पोरेट पहचान अपनाना।

पृष्ठभूमि:

- नोवार्टिस इंडिया कई दशकों से ब्रांडेड फार्मास्यूटिकल्स में मजबूत उपस्थिति के साथ भारत में काम कर रही है।

कंपनी प्रसिद्ध ब्रांडों का विपणन करती है जैसे:

- वोवेरन - कैल्शियम सैंडोज - टेग्रिटल

प्रमुख चिकित्सीय खंडों में शामिल हैं:

- दर्द प्रबंधन - कैल्शियम पूरकता - स्त्री-रोग विज्ञान - तंत्रिका विज्ञान - प्रत्यारोपण इम्यूनोलॉजी
--

- क्रिसकैपिटल का लक्ष्य भविष्य के विकास को आगे बढ़ाने के लिए नोवार्टिस इंडिया के स्थापित पोर्टफोलियो और चिकित्सक ट्रस्ट का लाभ उठाना है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- क्रिसकैपिटल - प्रकार: निजी इक्विटी फर्म। - मुख्यालय: नई दिल्ली, भारत। - स्थापित: 1999। - नोवार्टिस एजी - मुख्यालय: बेसल, स्विट्जरलैंड। - स्थापित: 1996। - उद्योग: फार्मास्यूटिकल्स। - Novartis India Ltd - पर सूचीबद्ध: बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई)। - फोकस: भारत में ब्रांडेड फार्मास्यूटिकल उत्पाद। - लेन-देन मूल्य: कंपनियों द्वारा खुलासा नहीं किया गया।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- अधिग्रहणकर्ता: क्रिसकैपिटल - कंपनी अधिग्रहित: नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड (शून्य) - अधिग्रहित हिस्सेदारी: 70.68%। - विक्रेता: नोवार्टिस एजी - नए एमडी और सीईओ: डॉ. विकास गुप्ता - नए अध्यक्ष: रमेश रामदुरई - उद्देश्य: भारत में एक ब्रांडेड जेनरिक प्लेटफॉर्म का निर्माण करना
--

शैलेश जेजुरिकर प्रॉक्टर एंड गैबल के अध्यक्ष बने



- वैश्विक एफएमसीजी कंपनी प्रॉक्टर एंड गैबल (P&G) ने भारतीय मूल के कार्यकारी शैलेश जेजुरिकर को 1 अगस्त 2026 से प्रभावी अपने निदेशक

मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह जॉन मोलर के बाद कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में काम करना जारी रखेंगे।

पृष्ठभूमि:

- शैलेश जेजुरिकर 1989 में प्रॉक्टर एंड गैबल में शामिल हुए थे।
 - वह 2014 से कंपनी की ग्लोबल लीडरशिप टीम के सदस्य हैं।
- अपने करियर के दौरान, उन्होंने व्यवसायों का नेतृत्व किया है:

- उत्तरी अमेरिका - यूरोप

• एशिया

• लातिन अमेरिका

उन्होंने प्रमुख कार्यों का नेतृत्व किया है जिनमें शामिल हैं:

• कपड़े की देखभाल

• घर की देखभाल

• आपूर्ति श्रृंखला

• सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)

• वैश्विक व्यापार सेवाएं

• वह महिंद्रा समूह के कार्यकारी निदेशक और सीईओ (ऑटो और कृषि क्षेत्र) राजेश जेजुरिकर के भाई हैं।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

• कंपनी: प्रॉक्टर एंड गैबल (पी एंड जी)।

• स्थापित: 1837।

• मुख्यालय: सिनसिनाटी, ओहियो, यूएसए।

• उद्योग: फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी)।

• प्रमुख ब्रांड: पैम्पर्स, एरियल, जिलेट, टाइड, हेड एंड शोल्डर, पैटीन, ओरल-बी और व्हिस्पर।

• निवर्तमान अध्यक्ष: जॉन मोलर ने कार्यकारी अध्यक्ष, सीईओ, सीओओ और सीएफओ सहित विभिन्न नेतृत्व पदों पर 38 वर्षों तक कंपनी की सेवा की।

प्रॉक्टर एंड गैबल (P&G) के बारे में

• पूरा नाम: प्रॉक्टर एंड गैबल (पी एंड जी)

• स्थापित: 1837

• संस्थापक: विलियम प्रॉक्टर और जेम्स गैबल

• मुख्यालय: सिनसिनाटी, ओहियो, संयुक्त राज्य अमेरिका

• उद्योग: फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी)

• व्यवसाय: स्वास्थ्य देखभाल, व्यक्तिगत देखभाल, कपड़े की देखभाल, घरेलू देखभाल, शिशु देखभाल और सौंदर्य क्षेत्रों में उपभोक्ता वस्तुओं का निर्माण और विपणन करता है।

• उपस्थिति: दुनिया भर के 180 से अधिक देशों और क्षेत्रों में काम करता है।

• स्टॉक एक्सचेंज लिस्टिंग: न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (NYSE: PG)

परीक्षा फोकस बिंदु:

• कंपनी: प्रॉक्टर एंड गैबल (पी एंड जी)

• नए अध्यक्ष: शैलेश जेजुरिकर

• प्रभावी तिथि: 1 अगस्त 2026

• पूर्व अध्यक्ष: जॉन मोलर

• वर्तमान अतिरिक्त भूमिका: अध्यक्ष और सीईओ

• मुख्यालय: सिनसिनाटी, ओहियो, यूएसए

एडीबी ने पीएम सूर्य घर रूफटॉप सौर कार्यक्रम में तेजी लाने के लिए 850 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण को मंजूरी दी



• एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने भारत सरकार के प्रमुख प्रधान मंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत सुधारों का समर्थन करने के लिए 850 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण को मंजूरी दे दी है।

• इस वित्तपोषण से रूफटॉप सौर ऊर्जा की तैनाती में तेजी आएगी, सस्ती स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच में सुधार होगा, निजी निवेश जुटाएगा और भारत के नवीकरणीय ऊर्जा इकोसिस्टम को मजबूत किया जाएगा।

वस्तुनिष्ठ:

• छत पर सौर अपनाने में तेजी लाएं।

• सस्ती स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच में सुधार करें।

• निजी क्षेत्र के निवेश को जुटाना।

• ग्रिड कर्मियों और ग्रामीण उद्यमियों के कौशल को मजबूत करना।

लक्ष्य:

• 1 करोड़ (10 मिलियन) निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करें।

• वित्त वर्ष 2027 तक 30 गीगावॉट आवासीय रूफटॉप सौर क्षमता जोड़ें।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं:

- कम से कम 35 लाख (3.5 मिलियन) रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन के लिए वित्तीय सहायता।
- डिजिटल अनुप्रयोग और निगरानी प्रणालियों को मजबूत करना।
- बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की भागीदारी में वृद्धि।
- रूफटॉप सोलर में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देना।
- सौर उपकरणों के घरेलू विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण और पुनर्चक्रण के लिए समर्थन।
- मॉडल सौर गांवों का विकास और अभिनव वितरित सौर परियोजनाएं।
- कम से कम 6,000 लोगों का प्रशिक्षण और प्रमाणन, जिसमें कम से कम एक तिहाई महिलाएं शामिल हैं।
- नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना।
- बेहतर विक्रेता जवाबदेही और सौर पैनलों और बैटरी कचरे का सुरक्षित पुनर्चक्रण।

पृष्ठभूमि:

- उप-कार्यक्रम 2 नवंबर 2025 में एडीबी द्वारा अनुमोदित उप-कार्यक्रम 1 पर आधारित है, जिसने बड़े पैमाने पर रूफटॉप सौर तैनाती के लिए नीति, वित्तपोषण और संस्थागत नींव रखी।
- पीएम सूर्या घर: आवासीय घरों के लिए रूफटॉप सोलर सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए फरवरी 2024 में मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई थी।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य बिजली के बिल को कम करना, ऊर्जा सुरक्षा में सुधार करना और भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन का समर्थन करना है।

अपेक्षित परिणाम:

- 30 गीगावॉट संचयी रूफटॉप सौर क्षमता प्राप्त करें।
- 28.8 मिलियन टन CO₂ समतुल्य उत्सर्जन को कम करें।
- सस्ती और विश्वसनीय सौर ऊर्जा तक पहुंच का विस्तार करें।
- हरित रोजगार पैदा करना और घरेलू स्वच्छ ऊर्जा मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करना।
- ऊर्जा की कीमत और आपूर्ति के झटके के खिलाफ लचीलापन में सुधार करें।

छत्तीसगढ़ ने महिलाओं के नेतृत्व वाली नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए द्विशक्ति योजना शुरू की



अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

• एशियाई विकास बैंक (एडीबी)
• स्थापित: 1966
• मुख्यालय: मनीला, फिलीपींस
• अध्यक्ष: मसातो कांडा
• सदस्य: 68 (एशिया और प्रशांत से 49)
• पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना
• लॉन्च: फरवरी 2024
• नोडल मंत्रालय: नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई)
• लक्षित लाभार्थी: 1 करोड़ परिवार
• उद्देश्य: वित्तीय सहायता और किफायती वित्तपोषण के माध्यम से रूफटॉप सोलर अपनाने को बढ़ावा देना।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• संगठन: एशियाई विकास बैंक (एडीबी)।
• स्वीकृत ऋण: 850 मिलियन अमरीकी डालर।
• कार्यक्रम: सस्ती और समावेशी रूफटॉप सौर प्रणाली विकास कार्यक्रम (उप-कार्यक्रम 2) में तेजी लाना।
• योजना समर्थित: पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना।
• लक्ष्य: वित्त वर्ष 2027 तक 30 गीगावॉट रूफटॉप सौर क्षमता।
• लाभार्थी: 1 करोड़ परिवार।
• नोडल मंत्रालय: नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई)।

- छत्तीसगढ़ सरकार ने अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए द्विईपीटीआई योजना (ऊर्जा पर विकेन्द्रीकृत महिला सशक्तिकरण और परिवर्तनकारी समावेशन के लिए नीति) शुरू की है।

• द्वारा कार्यान्वित: पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार।
• तकनीकी भागीदार: ग्रामीण भारत को बदलना।
• मिशन: हरित अर्थव्यवस्था परिवर्तन मिशन।

वस्तुनिष्ठ:

- नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना।
- सौर क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व वाली उद्यमिता को बढ़ावा देना।
- स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में रूफटॉप सोलर को अपनाना बढ़ाएं।

प्रमुख विशेषताएँ:

ग्रामीण स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) इस प्रकार भाग लेंगे:

सौर विक्रेता।
सौर तकनीशियन।
परियोजना प्रबंधक।
नवीकरणीय ऊर्जा उद्यमी।

- 12 जिलों में 13 क्लस्टर स्तरीय संघों (सीएलएफ) को पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिकृत विक्रेताओं के रूप में पंजीकृत किया गया है।
- छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) के साथ साझेदारी में पंजीकरण किया गया है।
- एसएचजी सदस्यों को रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन के लिए लचीला ऋण मिलेगा।
- यह पहल कौशल आधारित आय के अवसर पैदा करके प्रधानमंत्री के लखपति दीदी के दृष्टिकोण का समर्थन करती है।

कार्यान्वयन की मुख्य विशेषताएं:

कबीरधाम जिला कार्यान्वयन के लिए प्रमुख जिला बन गया है।
वंदे मातरम क्लस्टर लेवल फेडरेशन को एक अधिकृत सौर विक्रेता के रूप में पंजीकृत किया गया है।
लगभग 35 महिलाओं ने टाटा के तकनीकी सहयोग के साथ रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।
ये प्रशिक्षित महिलाएं राज्य की "सौर दीदी" का पहला कैडर बनाती हैं।
इस योजना के तहत पहला रूफटॉप सोलर सिस्टम कबीरधाम के समनापुर गांव में स्थापित किया गया था।
राज्य सरकार की योजना इस योजना का विस्तार सभी जिलों में करने की है।

पृष्ठभूमि:

- महिलाओं ने पारंपरिक रूप से नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सीमित भूमिका निभाई है, ज्यादातर सक्रिय प्रतिभागियों के बजाय लाभार्थियों के रूप में।
- द्विप् ति योजना सौर ऊर्जा परिनियोजन में महिलाओं को प्रमुख हितधारक बनाकर इस दृष्टिकोण को बदल देती है।

- यह पहल स्वच्छ ऊर्जा अपनाने में जमीनी स्तर की भागीदारी को मजबूत करके पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना का पूरक है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

द्वीप योजना

फुल फॉर्म: ऊर्जा पर विकेंद्रीकृत महिला सशक्तिकरण और परिवर्तनकारी समावेशन के लिए नीति।
राज्य: छत्तीसगढ़।
फोकस: महिलाओं के नेतृत्व में वितरित नवीकरणीय ऊर्जा और रूफटॉप सौर उद्यमिता।
पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना
लॉन्च: फरवरी 2024।
नोडल मंत्रालय: नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई)।
उद्देश्य: आवासीय घरों के लिए रूफटॉप सोलर सिस्टम को बढ़ावा देना।

छत्तीसगढ़

राजधानी: रायपुर।
मुख्यमंत्री: विष्णु देव साईं।
राज्यपाल: रामेन डेका।
राज्य का स्थापना दिवस: 1 नवंबर 2000।

परीक्षा फोकस बिंदु:

योजना: द्वीप योजना।
राज्य: छत्तीसगढ़।
फुल फॉर्म: ऊर्जा पर विकेंद्रीकृत महिला सशक्तिकरण और परिवर्तनकारी समावेशन के लिए नीति।
उद्देश्य: नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व वाली भागीदारी को बढ़ावा देना।
संबंधित योजना: पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना।
कार्यान्वयन विभाग: पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग।
तकनीकी भागीदार: ग्रामीण भारत को बदलना।
प्रमुख जिला: कबीरधाम।
पहली सौर स्थापना: समनापुर गांव, कबीरधाम।
विशेष उपलब्धि: छत्तीसगढ़ महिलाओं के नेतृत्व में वितरित नवीकरणीय ऊर्जा नीति को अपनाने वाला पहला राज्य बन गया।

त्रिपुरा सरकार ने वित्तीय साक्षरता और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एनएसई के साथ तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए



त्रिपुरा सरकार ने वित्तीय साक्षरता को मजबूत करने, उद्यमिता को बढ़ावा देने और राज्य में एक जीवंत निवेश पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के साथ तीन समझौता ज्ञापनों (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल का उद्देश्य वित्तीय जागरूकता बढ़ाना, एमएसएमई का समर्थन करना और पूंजी बाजार तक पहुंच में सुधार करना है।

- एमएसएमई को पूंजी बाजार वित्त पोषण और व्यवसाय वित्त को समझने में मदद करें।

इसके बारे में जागरूकता पैदा करें:

• प्रतिभूति बाजार।
• म्यूचुअल फंड।
• वित्तीय योजना।

- बैंक ऋण से परे वैकल्पिक वित्तपोषण विकल्पों की खोज में स्टार्टअप और उद्यमियों का समर्थन करें।
- प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से संस्थागत क्षमता को मजबूत करना।

वस्तुनिष्ठ:

- वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना।
- उद्यमिता को प्रोत्साहित करें।
- निवेश पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करें।
- पूंजी बाजार तक पहुंच में सुधार करना।
- वित्तीय शिक्षा में संस्थागत क्षमता का निर्माण करना।

लक्षित लाभार्थी:

• छात्र
• किशोर वर्ग
• एमएसएमई
• स्टार्ट-अप
• ठेकेदार
• सरकारी अधिकारी
• घोषणा: मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा

साझेदारी की मुख्य विशेषताएं:

- वित्तीय साक्षरता और निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना।
- वित्तीय और आर्थिक साक्षरता में सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षित करें।

महत्व: स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट (SIPARD) NSE के साथ रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने वाले भारत के पहले सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों में से एक बन गया है।

इस पहल से निम्नलिखित की उम्मीद है:

- युवाओं के बीच रोजगार क्षमता में सुधार करें।
- उद्यमिता को मजबूत करें।
- औपचारिक वित्तीय बाजारों में भागीदारी बढ़ाना।
- स्थानीय व्यवसायों के लिए निवेश के अवसर बढ़ाएँ।
- त्रिपुरा में दीर्घकालिक आर्थिक विकास का समर्थन करना।

पृष्ठभूमि:

- त्रिपुरा में कई एमएसएमई और स्टार्टअप के लिए वित्त तक पहुंच एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।
- NSE के साथ सहयोग से व्यवसायों को पूंजी-बाजार वित्तपोषण को समझने और फंडिंग स्रोतों में विविधता लाने में मदद मिलेगी।
- यह पहल एक कुशल, वित्तीय रूप से जागरूक और भविष्य के लिए तैयार अर्थव्यवस्था बनाने के राज्य के प्रयासों के अनुरूप है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

• नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE)
• स्थापित: 1992.
• मुख्यालय: मुंबई, महाराष्ट्र।

- प्रबंध निदेशक और सीईओ: आशीष कुमार चौहाना
- फ्लैगशिप इंडेक्स: निफ्टी 50.
- भूमिका: ट्रेडिंग वॉल्यूम के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज और पूंजी बाजार लेनदेन के लिए एक अग्रणी मंच।

त्रिपुरा:

- राजधानी: अगरतला।
- मुख्यमंत्री: डॉ. माणिक साहा।
- राज्यपाल: एन. इंद्रसेना रेड्डी।
- राज्य का स्थापना दिवस: 21 जनवरी 1972।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- राज्य: त्रिपुरा
- भागीदार संगठन: नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE)
- समझौता ज्ञापनों की संख्या: तीन
- उद्देश्य: वित्तीय साक्षरता, उद्यमिता और निवेश जागरूकता को बढ़ावा देना
- प्रमुख संस्थान: SIPARD
- लक्षित समूह: एमएसएमई, छात्र, उद्यमी और सरकारी अधिकारी
- NSE मुख्यालय: मुंबई

लेट्स रिवाइज

- ❖ किस मंत्रालय ने दानवीर पहल शुरू की? **पंचायती राज मंत्रालय।**
- ❖ नाविकों की वैश्विक आपूर्ति में कौन सा देश पहले स्थान पर है? **फिलीपींस।**
- ❖ हाल ही में संन्यास की घोषणा करने वाले अजिंक्य रहाणे किस खेल से संबंधित हैं? **झींगुर**
- ❖ राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों की 100 मीटर T47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक किसने जीता? **दिलीप महादेव गाविता।**
- ❖ ग्लोबल फाइनेंस 2026 ग्लोबल बैंक अवार्ड्स में किस बैंक को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ कॉर्पोरेट बैंक नामित किया गया था? **डीबीएस बैंक (डेवलपमेंट बैंक ऑफ सिंगापुर)**
- ❖ किस निजी इक्विटी फर्म ने नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड में नियंत्रण हिस्सेदारी हासिल की? **क्रिसकैपिटल।**
- ❖ नोवार्टिस इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? **डॉ. विकास गुप्ता**
- ❖ नोवार्टिस इंडिया के अध्यक्ष के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? **रमेश रामादुरई।**
- ❖ प्रॉक्टर एंड गैबल (पी एंड जी) के अध्यक्ष के रूप में किसे नियुक्त किया गया है? **शैलेश जेजुरिकर**
- ❖ किस अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान ने भारत के रूफटॉप सौर कार्यक्रम के लिए 850 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण को मंजूरी दी?: **एशियाई विकास बैंक (एडीबी)।**
- ❖ किस राज्य ने DWEEPTI योजना शुरू की है? **छत्तीसगढ़।**
- ❖ किस राज्य सरकार ने वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के साथ तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए? **त्रिपुरा**



The **ACHIEVERS** IAS ACADEMY PATNA

Daily **NEWS CHRONICLE**

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US



+91 8434931877



achievers_ias_patna



PATLIPUTRA GOLAMBAR



ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC)



achieversiaspatna@gmail.com



Achievers IAS Academy



www.achieversiaspatna.co.in



Achievers IAS Academy, PATNA